RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 34 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 27 जनवरी 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

चुनाव का कड़कड़ाट थमने के बाद चर्चे

दिखाए गए सपने पूरा करो अब

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड नागर निकाय चुनाव की कड़कड़ाट थमने के बाद अब इसके चर्चे ही चर्चे हैं। पार्टियों में बगावत करने वाले पहले से ज्यादा सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। साथ ही मेल-मिलाप का ढोंग चल रहा है। किसी को देखकर यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि फलां ने फलां को ही वोट दिया होगा।

हल्द्वानी पलट गई बाजी

इस बार उत्तरायणी से चुनाव का रंग काफी चटक हो चुका था। पौष पूर्णिमा से शुरु हुए महाकुम्भ के दौरान उत्तराखण्ड में निकाय चुनाव का प्रचार-प्रसार अपने चरम पर था। पहाड़ की काशी बागेश्वर का उत्तरायणी मेला हो या उत्तरकाशी का माघ मेला सभी जगह चुनाव प्रचार का रास्ता निकालने प्रत्याशी निकल पड़े थे। उत्तरायणी के शहरों में होने वाले आयोजनों में तो वार्ड से लेकर चैयरमैन तक के प्रत्याशी अपने प्रचार के लिये जम-जमाव पर थे और अब उत्तरायण के इस सीजन का फल चुनाव परिणाम के रूप में दिखाई दे रहा है। चुनाव का यह सारा गणित अब नये समीकरणों के साथ उत्तराखण्ड की राजनीति का भविष्य तय करने वाला है क्योंकि इस पर्वतीय प्रदेश में जिस प्रकार से नेताओं का इधर से उधर आना-जाना और पार्टी बगावत का खेल जारी है।

मुनस्यारी में राजू पांगती

प्रदेश के 11 नगर निगमों, 43 नगर पालिका, 46 नगर पंचायत में जिस प्रकार के परिणाम देखने को मिले हैं वह बड़े नेताओं को भी हिलाने वाले हैं। बागी और निर्दलीय जिस प्रकार से चारों ओर छाए रहे वह आने वाले समय की राजनीति में लकीर है। निकायों के परिणामों से मंत्रियों और विधायकों को तक उनकी सच्चाई का पता चल चुका है। सीएम धामी अपने गढ़ में पास होते दिखाई दे रहे हैं लेकिन मंत्री धनसिंह रावत की प्रतिष्ठा से जुड़ी श्रीनगर नगर निगम में निर्दलीय आरती भण्डारी ने ताकत दिखा दी। पौड़ी नगर पालिका में निर्दलीय व भाजपा की बागी हिमानी नेगी ने भाजपा-कांग्रेस की प्रत्याशियों को हराया।

चम्पावत में सीएम का जादू

प्रदेश के सबसे बड़े नगर निगम देहरादून में भाजपा प्रत्याशी सौरभ थपलियाल सफल रहे। कांग्रेस सहित अन्य ने यहाँ पूरी कोशिश की लेकिन असफल रहे। विधायकों की बात करें तो हल्द्वानी में सुमित हृदयेश, नैनीताल में सरिता आर्य, रामनगर में दीवान सिंह, भीमताल में राम सिंह कैड़ा की नहीं चली। ये सब अपनी ओर से प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बनाते रहे लेकिन मदताओं को नहीं रिझा सके। कालाढूंगी सीट से विधायक बंशीधर भगत हल्द्वानी पर जीत दोनों तरीके से समझ रहे हैं। एक तो गजराज की जीत से सकून है दूसरा उनके बढ़ते कद से चिन्ता भी। हल्द्वानी नगर निगम की सर्वाधिक चर्चा थी जिसमें कांग्रेस की एकजुटता और भाजपा का भीतरघात दिखाई दे रहा था लेकिन गजराज बिष्ट ने कांटे के मुकाबले में कांग्रेस के ललित जोशी को 3894 मतों से हराया। गजराज पूरी तरह तहत से सनातनी नारे के साथ चुनाव लड़ रहे थे। हल्द्वानी के पार्षद परिणामों में अधिकांश निर्दलीय सफल रहे हैं।

डीडीहाट बेरीनाग कांग्रेस

मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में भाजपा का दबदबा रहा। वोट पलटने में सीएम पुष्कर सिंह धामी का जादू चला। चम्पावत पालिका में भाजपा की प्रेमा पाण्डे, लोहाघाट में गोविन्द वर्मा, टनकपुर से विपिन कुमार और बनबसा से रेखा देवी ने विजयश्री प्राप्त की।

गंगोलीहाट कपकोट भाजपा

नगर पंचायतों की बात करें तो सीमान्त क्षेत्र मुनस्यारी में पहली बार हुए नगर पंचायत के चुनाव में निर्दलीय राजेन्द्र सिंह पांगती (राजू) ने कांग्रेस और भाजपा को पीछे छोड़ दिया। इस जीत के लिये पहले से ही जबर्दस्त माहौल तैयार हो चुका था। धारचूला नगर पालिका में कांग्रेस की शशि थापा, डीडीहाट में गिरीश चुफाल की जीत से पार्टी उम्मीद चटक हुई है। यहाँ कांग्रेस पहली बार जीती। इसी प्रकार बेरीनाग में कांग्रेस की हेमवती पन्त की जीत कांग्रेसी एकता का कारण रही। यहाँ भाजपा प्रत्याशी बहुत कमजोर साबित हुआ जबकि गंगोलीहाट में विमल रावल सबसे मजबूत प्रत्याशी के रूप में आंके गये। चुनाव मैदान में खड़े प्रत्याशियों का गणित विमल के सामने एकदम गड़बड़ा गया। बागेश्वर में भाजपा के सुरेश खेतवाल ने निर्दलीय कवि शेष अन्तिम पृष्ठ पर

निर्दलियों ने बदले समीकरण

निकायों का यह सारा गणित नये समीकरणों के साथ उत्तराखण्ड की राजनीति का भविष्य तय करने वाला है

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

शिक्षा में सुधार के लिये सर्वे

उत्तराखण्ड में शिक्षा के सुधार के लिए पहली बार पलायन आयोग के द्वारा सर्वे करवाया जा रहा है। प्रदेश के सभी जिलों के सरकारी स्कूलों में सर्वे के बाद मार्च में आयोग प्रदेश सरकार को रिपोर्ट देगा। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता व अन्य सुविधाओं का अन्तर्विश्लेषण करने के लिए पलायन आयोग के माध्यम से सर्वे करवाया जा रहा है। इसमें मैदानी क्षेत्र से लेकर दूरस्थ ग्रामीण अंचल के स्कूलों में अवस्थापना विकास, छात्र-छात्राओं को मिलने वाली सुविधा, स्कूली बच्चों की संख्या, पेयजल, शौचालय, खेल मैदान, शिक्षकों की संख्या समेत अन्य कई बिन्दुओं पर आयोग सूचना एकत्रित कर सरकार को सुझाव के साथ रिपोर्ट देगा। सर्वे में स्कूली बच्चों व उनके अभिभावकों व शिक्षकों से फीडबैक ले रहा है।

पलायन आयोग के सर्वे को अच्छी पहल कहा जा सकता है लेकिन इससे बड़ा सवाल यह है कि क्या मात्र सर्वे हो जाना शिक्षा का सुधार है। शिक्षा में सुधार के लिये पहले भी प्रयोग होते रहे हैं लेकिन सरकारी स्कूलों की स्थिति बदहाल होती जा रही है। सरकारी स्कूलों का सच तो यह है कि इसमें नौकरी पा लेने वाले कितने ईमानदार हैं यह जाँचना चाहिये, अपनी नौकरी के दौरान दूसरी जगह अटैच होकर रहने वाले, अपनी सुविधा वाले स्थान से प्रतिदिन आने-जाने में समय बर्बाद करने वाले, समय काटने वाले.....यह सब क्या हो रहा है? गुरु को सम्मानित रूप से देखा जाता है किन्तु वर्तमान के हालत में कितने इस पद को धारण किये हुए हैं और कितने पद के अनुरूप कृत्य कर रहे हैं? यह सवाल है। ऊपर से पठन-पाठन के अलावा शिक्षकों से करवाये जाने वाले कार्य का बोझ इन्हें प्रभावित कर रहा है। उन शिक्षकों का दुखड़ा भी कम नहीं है जिन्हें वर्षों से दुर्गम में ही रखा जाता है जबकि चतुर अपनी चाल मौका बनाते रहे हैं। यह स्थित प्राइमरी से लेकर उच्चशिक्षा तक है।

स्कूल भवन, खेल मैदान, पानी-बिजली, संचार सुविधा बहुत जरूरी है। साथ ही शिक्षक व कर्मचारी पद भी भरे होने चाहिये लेकिन यह खेल भी अजब है कि स्कूलों में किसी निधि से मिलने वाली राशि से किनारे पर कमरे आदि बना दिये जाते हैं। समय-समय पर इस प्रकार के कार्यों को उपलब्धि मान लिया जाता है। पलायन आयोग को अपनी रिपोर्ट में इस पूरी सच्चाई को उजागर करना चाहिये ताकि शिक्षा की दुर्दशा के लिये जो भी कारण हैं उनका पता चले। किसी भी स्कूल के लिये आवश्यक सुविधा के अलावा उसमें वर्तमान समय के अनुरूप संसाधन भी जुटाने होंगे और शिक्षा के समर्पित गुरुजनों को अवसर दिया जाना चाहिये ताकि शिक्षा का सुधार हो।

फसक

दाज्यू, गुप्त रोग इलाज का दावा भी होने वाला ठैरा

झांसा, शोषण का विज्ञान बहुत तरक्की कर चुका है बल

दाज्यू, नागर निकाय चुनाव की हार-जीत के बाद अपने जमन दा बहुत नाराज हैं और कह रहे हैं- 'इन नेताओं का इलाज करना ही होगा।' दाज्यू, जमन दा बेचारा सीधा आदमी ठैरा। वह क्या जाने इस कलजुग में कई तरह के अवतार हैं। यहाँ गुप्त रोग इलाज का दावा भी होने वाला ठैरा। रामपुर के अब्दुल लदीम हर शुक्रवार को होटल में इलाज करते हैं बल लेकिन राजनीति का रोग बहुत गहरा होता है। इसका लीपा-पोता लेप समाज को ताप देने की ताकत रखता है। जमाने में झांसा, शोषण का विज्ञान बहुत तरक्की कर चुका है बल। चुनाव प्रचार थमने के बाद खूब बांटजोट हुई बल। हल्द्वानी के राजपुरा में भाजपा नेता की चुनाव गाड़ी में शराब पकड़ी गई। कांग्रेस को बोलने का मौका मिल गया। दाज्यू, पुराना गीत याद आ गया- 'दिल के टुकड़े हजार हुए, कोई इधर गिरा कोई उधर गिरा'।

मेरठ में रहने वाले युवक ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण कर डाला बल। हल्द्वानी की युवती से इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर यह सब गड़बड़ी का आरोप है। दाज्यू, रोग ही रोग हैं। नैनीताल नगर की एक युवती का फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करने पर भी मामला दर्ज हुआ। सरोवर नगरी में टैक्सी चालाकों ने यूनियन की आड़ में अवैध वसूली करने का आरोप लगाया है। दाज्यू, जिसकी जैसे चल रही है चला रहा है, आप ही बताओ रोगों का इलाज कैसे हो? शोषण करने वालों का पोषण भी हो रहा है बल।

दाज्यू, इस बार उतरैणी भी चुनाव की चूंचाट-भूभांट में निपट गई। सब प्रचार में थे और अपने झप्पू दा कौतिक में 'गोरों की न कालों की दुनिया है दिल वालों की' गीत गा रहे थे। दाज्यू, बागेश्वर में तो रोटियों पर थूकने वाला वीडियो वायरल हो गया। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। सीएम ने इसे थूक-जिहाद बताते हुए दंगा करने वालों को चेतावनी दी है। दाज्यू, हमारी समझ नहीं आ रहा है कि खाने-पीने में थूकने-मूतने की बीमारी भी दुनिया में चल रही है। दाज्यू, हल्द्वानी में स्पा सेन्टरों में छापेमारी का काम जारी है। पुलिस ने अपने सत्यापन में पाया कि इन सेन्टरों में विजिटर रजिस्टर में ग्राहकों की अधूरी जानकारी थी। दाज्यू, अपने गुप्त रोग कोई कैसे सार्वजनिक करेगा? स्पा सेन्टर वाले बेचारे भी.....चलो दण्ड भुगतना हुआ। पुलिस ने भी चालान जैसा करना ही ठैरा।

सितारगंज में हथियारबन्द बदमाशों ने स्टोन क्रशर में लूटपाट की। ये लुटरे तमंचा दिखाकर कांटा ऑपरेटर को बुरी तरह धमका रहे थे बल। गल्ले से 55 हजार रुपये और अन्य सामान लेकर फरार हो गये। दाज्यू, भ्रष्टाचार मुक्त, माफिया मुक्त, गुण्डई मुक्त शहर, जिला, प्रदेश, देश बनाने का नारा बहुत लगता रहा है। समझ नहीं आ रहा है ये सब क्या होन रहा है। अब नगर निकाय चुनाव में विकास और गुण्डई दूर करने का संकल्प लिया गया है। बागेश्वर में उत्तरायणी मेले के दिनों में ठाकुरद्वारा वार्ड के नृरसिंह मन्दिर के समीप झाड़ियों में कपड़े में लपेट कर फेंकी गई बच्ची मिली। सुखिया-दुखिया सब गलघोटू बीमारी की चपेट में हैं बल। खनन पट्टों की ऐसी-तैसी हो चुकी है। शराब-चरस-गांजा तस्कर बराबर पकड़े जा रहे हैं लेकिन रोग का गुप्त राज बना हुआ है। हल्द्वानी प्रेमपुरलोशाली के युवक का अपहरण कर अधमरा कर दिया। जाँच हो रही है बल। -तुम्हारा भुली झकरुवा

बागेश्वर में खड़िया खनन पर रोक के बाद खुसरफुसर

दस हजार श्रमिक वापस लौटे

बागेश्वर। कोर्ट के सख्त कदम के बाद बागेश्वर जनपद में खड़िया खनन पर रोक लगने से खुसरफुसर होने लगी है। काण्डा में खनन से हुए नुकसान के बाद कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए खड़िया खनन पर रोक के लिये जैसे ही आदेश दिया इससे उन कारोबारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जो इस क्षेत्र में नये हैं और काफी धन लगा चुके हैं। काम पर लगाए गये बिहार, यूपी, नेपाल के श्रमिक हालता देखते हुए लौटने लगे हैं। अनुमान है कि दस हजार से अधिक श्रमिक वापस लौट चुके हैं।

बताते चलें कि जनपद में लम्बे समय से खड़िया खनन जारी है और इसमें लगे पुराने कारोबारी सैकड़ों को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देते रहे हैं। खनन काम में कम समय में ज्यादा फायदा देखते हुए खनन कारोबारियों की संख्या बढ़ती चली गई और इस बीच अवैध खनन वाले भी मिलीभगत कर मनमानी करने लगे, जिसका परिणाम पहाड़ दरकने, गाँव उजड़ने के रूप में दिखाई दिया।

डीएम ने किया निरीक्षण और दी चेतावनी

बागेश्वर। जिला एवं तहसील एंटी इलीगल माइनिंग फोर्स खड़िया खदानों का स्थलीय निरीक्षण में जुटी है। इसी क्रम में डीएम आशीष भटगांई ने रीमा क्षेत्र की खड़िया खानों का निरीक्षण करते हुए चेतावनी दी कि खड़िया खोदान में गड़बड़ी मिलने पर इसके संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होगी।

जिलाधिकारी भटगांई ने अधिकारियों को उच्च न्यायालय के आदेश का सख्ती से पालन कराने को कहा। उन्होंने खड़िया खदानों में निगरानी रखने और अतिक्रमण या खनन होने पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिये। इसमें किसी प्रकार की लापवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने भूवैज्ञानिक, डीएफओ, जिला खान अधिकारी और एसडीएम को जाँच के निर्देश दिये। इस मौके पर एडीएम एन.एस. नबियाल, खान अधिकारी नाजिया हसन, एसडीओ तनुजा परिहार मौजूद थे।

निदेशालय टीम का भी निरीक्षण

बागेश्वर। निदेशालय स्तर से जाँच टीम ने काण्डा तहसील की खड़िया खानों का निरीक्षण किया है। टीम ने खनन पट्टा धारकों के दस्तावेज को जाँचा। साथ ही खड़िया खदानों में हुए खनन की भूगर्भीय जाँच की है। इसमें निदेशालय स्तर पर गठित टीम में अपर निदेशक लेखराज व अन्य थे।

सख्ती तो होगी ही पर कोई रास्ता निकाल लिया जायेगा.....!

बागेश्वर जिले में खड़िया के खेल में कुछ ही गिने-चुने लोग सधा हुआ कार्य करते रहे हैं। जबकि इसकी आड़ में अन्धाधुन्ध दोहन ने जिस प्रकार की बर्बादी की है उसने प्रकृति देवता की अनसुनी की। यही कारण है रीमा पचार क्षेत्र में धंसाव देखने को मिलता है। इस समय जब कोर्ट ने रोक का आदेश किया तो हड़बड़ाट और हड़कम्प मच चुका है। चर्चाएं हो रही हैं कि नेतागण लामबन्द होंगे। हालातों को देखते हुए भविष्य में सख्ती तो तय है किन्तु खनन के लिये कोई रास्ता निकाल लिया जायेगा! देखना यही है कि आने वाले दिनों में खनन का यह खेल कितना नरम या गरम होता है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

परिचय

गोरीफाट स्थित आदम बरपटिया जनजाति की उपजाति 'बर्निया'

जगदीश सिंह बृजवाल

हिमालय क्षेत्र के प्राचीन आदम जाति किरात, पुलिन्द, तंगण तथा विष्णु पुराण, महाभारत के वनपर्व, वाराहसंहिता में भी भारतवर्ष के किनारे-किनारे हिमवन्त क्षेत्र में सकास, नाग, गन्धर्व, यक्ष भिल्ल, आदि आदम जाति रहते आ रहे हैं। आज भी निवास करने वाले उन प्राचीन जातियों से जो सम्बन्ध रखते हों किन्तु कई अन्य बाहरी जातियों का यहाँ आकर इन जाति के साथ घुलमिल जाने से पहचान की भ्रामकता दिखती है।

बरपटिया जनजाति के विषय में सही -सही बता पाना कठिन है। क्या ये खस, शक, या पौराणिक जाति किरात पुलिन्द, तंगण सम्बन्ध रखते होगें? इनसे जानकारी प्राप्त करने पर वे अपने को बाहरी क्षेत्र नेपाल, पाली पछांऊ, दानपुर आदि क्षेत्रों से आने की बात बताते है, पर यह सिद्ध है कि कुछ बाहरी जातियाँ, आदम प्राचीन जातियों के साथ यहाँ आकर घुलमिल गये हैं जिसमें संदेह नहीं।

हिमालय क्षेत्र के ही जनजाति जोहार के शौका घुमन्तू, पशुचारक, अर्द्धयायावरी जीवन व्यतीत करते थे, इनके विषय में इतिहासकारों की खोज, किवदन्ती, जनश्रुति, मत-मतान्तर देखने को मिलते हैं। जोहार घाटी में भी समय-समय पर बाहरी जातियों का प्रवेश तथा रक्त सम्बन्ध स्थापित के चलते जोहार के समाज में पुरातन समय से अर्वाचीन तक सामाजिक उथल-पुथल चलता ही रहा है।

शौका जनजाति मौसम के अनुसार जोहार परगना, गौरीफाट, तल्लादेश में प्रवास करते रहे थे। इन्ही के आस-पास, बीच एक और छोटा सा जनजाति समुदाय बरपटिया बारह पट्टी (बारह गाँव) में रहने वाले, जिनका अपनी संस्कृति, सांस्कृतिक पहिचान भी थी। जोहारियों के प्रभाव से इनके अस्तिव पर विराम लगता रहा है।

गोरीफाट(मुनस्यारी) तथा बरपटिया जनजाति समुदाय जो मुख्य रूप से कृषक तथा पशुपालक थे, जो स्थाई निवास कर माल क्षेत्र में शौका व्यापारीयो के लिए अनाज आदि सामाग्री की आपूर्ति करके मैत्री भाव का सम्बन्ध शौकाओ के साथ बनाये रखते थे। जोहार के मध्यकाल के पंज्वारीयों का माल अनाज भण्डारण क्षेत्र बरपटिया क्षेत्र ही था। प्रसिद्ध पुरुष धनाड्य व्यक्ति सुनपति शौका का सौकाट क्षेत्र बरपटिया क्षेत्र में ही है।

बारह पट्टी- जैंती गाँव (बरनिया गाँव) पापड़ी, चौन-हरकोट, इमला, गोल्फा, सुरिंग, जीमीया, रिंगू-चुलकोट, गोल्फा, तोमिक, नामिक आदि क्षेत्र में निवास करते थे। इनकी उपजाति अधिकांशत: गाँव के नामों से आते हैं: बनिगों के बर्निया, पापड़ी के पापड़ा, हरकोट के हरकोटिया, कोटाल गाँव के कोटाल, इमला के इमलाल, बोथी के बोथयाल, चूलकोट के चूलकोटिया, गोल्फा के गोलफियाल, तोमिक के तोमकियाल, जीमी के जीमीयाल, रिंगू के रिगंवाल, पछाई, सेमीया, कलझुनिया भी बरपटिया जनजाति ही हैं। जो सदियों से यहाँ निवास करते हैं। बरपटिया जनजाति में पूर्व में बर्निया, पापड़ा, चूलकोटिया जाति का प्रभुत्व रहा है बाद में अपने-अपने क्षेत्र में शासक के रूप में भी देखा जा सकता है।

'बनिया माने' स्थान आज भी बेटूली धार के पास पत्थर स्तम्भ सीमा का प्रतीक चिह्न मौजूद हैं जिनका अधिपत्य गोरीनदी के किनारे किरकुटियागार, बछेपूर तक बताया जाता है उसी प्रकार पापडा, चूलकोटिया जाति भी अपने क्षेत्र सीमा तक के स्वामी थे।

बर्नियों का अतीत का इतिहास जो दोधर (दो भाग) में बटे कौम एक अपने को तातर देश (हुणदेश) के निवासियों से सम्बन्ध होना बताते हैं, दूसरा धर अन्य जाति का बर्नियो के साथ घुल-मिल जाना है। मेसर देव पूजन में हुमला-जुमला पलायन कर चुके बर्निया आज भी अपने मूल गाँव जैंती (बर्निया गाँव) पहुँचते हैं जो जोहारियो के प्रभाव चलते अपने मुल्क जैंती गाँव छोड़कर नेपाल में जा बस गये थे।

बर्निया जाति से जुड़ी प्रसिद्ध कथा-कहानी रूपवती कन्या का हरण जो मेसर व रूपवती कन्या के सामाजिक असमानता का कारण, दोनों के स्वाभाविक मानव स्वभाव मिलन में अवरोध की कहानी दिखती है। मेसर देव जो नागवंशी व बर्निया कन्या तातर देश के हुण जाति से सम्बन्ध रखते थे, हिमालयी दर्रे से टिड्डी के दल की तरह भारत पर हुण आक्रमण मैदानों तक भी होते रहे हैं। रूपवती कन्या को सामाजिक विरोध के कारण अपना प्राण गंवानी पड़ी थी।

बर्निया गाँव का उत्तर दिशा की ओर स्थित मेसर देव का जिसमें शिवशक्ति प्रतिष्ठापित मन्दिर है, जिसमें नौर्त (जागरण) देवतरण के कार्यक्रम चलता है तत्पश्चात् गाँव से पश्चिम दिशा की और घने जंगलों के बीच नागपंचमी के दिन मेसर कुण्ड में मेसर देव की पूजा-अराधना की जाती है, जिसमें महिषि बलि प्रथा बौन, बौद्ध पूजा विधि विधान का स्पष्ट संकेत भी देती है।

बरपटिया जनजाति में पूर्व में प्रभुत्व बर्नियाओ का रहा था, धीरे-धीरे पापडा, चूलकोटिया, गोल्फियाल जाति भी प्रभाव में दिखाई देते हैं। यदपि यह प्रभाव अपने क्षेत्र तक सीमित हो।

पापडा तथा बर्नियों में सदैव प्रतिद्वन्द्विता बनी रही। आज भी वह मल्लयुद्ध स्थान, रास्ता झुगरू गौर (लड़ने-झगड़ने हेतु खेत की उपलब्धता) झुगरू बौट (झगड़े वाले रास्ते में मिलना) उन्हीं बातों की याद दिलाती है। आज से कुछ वर्षों पूर्व डांडाधार, जैती गाँव के मेलों में जब गाजे-बाजे के साथ दोनो गाँवों से लोग मन्दिर में प्रवेश करते थे तब भी तना-तनी का माहोल अतीत का स्मरण कराती थीं।

बर्निया गाँव से प्राप्ति जानकारी से मालूम पड़ता है कि आज भी 10,15 बर्निया जनजाति परिवार तथा 20,25 परिवार अनुसूचित जाति के लोग भी गाँव में रहते हैं, जिनका पारस्परिक सम्बन्ध सदियों से बना है। धार्मिक, सामाजिक मान्यताएं जनजातीय के अतिरिक्त हिन्दू संस्कृतिकरण की तरह है। गाँव के लोग सरकारी नौकरी पैशा तथा कुछ अच्छे पदों में भी आसीन है। गाँव में रहन वाले लोग कृषि, पशुपालन, मजदूरी कर अपने आजिविका चलाते हैं। पूर्व के पधानचारी प्राप्त पद पधानराठ श्री किशन सिंह बर्निया का परिवार भी गाँव में रहता है, गाँव के लोग पढ़े लिखे सौहार्दता से मिल-जुल कर रहते हैं मोटर मार्ग ही निर्मित मेसर देवता पूजा-पाठ सामाग्री, बर्तन रखने का मन्दिरनुमा छोटा सा कमरा बना है। बरपटिया जनजाति के संस्कृति, सांस्कृतिक इतिहास को जानने की जिज्ञासा स्वयं बरपटिया समाज के लोगों को भी है।

ज्योतिष की बातें- 214

28 जनवरी 2025 को शुक्र समराशि मीन में प्रवेश करेगा, वहाँ पर राहु से युति होगी तथा अन्य कोई भी शुभ दृष्टि या युति नहीं होगी। अत: शुक्र निर्बल रहेगा। फलदीपिका के अनुसार शुक्र केवल छठवें, सातवें और दशवें स्थान पर अशुभ होता है अन्य स्थानों पर शुभ होता है। अत: शुक्र सांसारिक सुख, भौतिक सम्पत्ति आदि अपने कारक विषयों में अगले 94 दिन मीन, कुम्भ, मकर, धनु, वृश्चिक, सिंह, कर्क, वृषभ व मेष राशि के जातकों को अल्पमात्रा में शुभफल प्रदान करेगा।

मौनी अमावस्या- माघ मास की अमावस्या उदयव्यापिनी तिथि, तदनुसार बुधवार 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या का पर्व मनाया जाएगा।

महाकुम्भ पर्व- वृषभ राशि के बृहस्पति में माघ मास की अमावस्या तिथि को महाकुम्भ का मुख्य पर्व होता है। तदनुसार बुधवार 29 जनवरी 2025 को तीर्थराज प्रयाग में महाकुम्भ का मुख्य स्नान सम्पन्न होगा।

बसन्त पंचमी- माघ शुक्लपक्ष पंचमी पूर्वाह्न व्यापिनी तिथि, तदनुसार रविवार 2 फरवरी 2025 को बसन्त पंचमी अर्थात् सरस्वती पूजन का पर्व मनाया जाएगा।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 105

काम के घण्टे कितने हों!

वैसे तो मैं 24 घंटे काम करता हूँ, मैं क्या, सभी लोग दिन में 24 घण्टे ही काम करते हैं, न इससे अधिक, न इससे कम। लेकिन यहाँ पर अर्थोपार्जन के लिए किए जाने वाले काम के घण्टों की बात हो रही है। आजकल सप्ताह में कार्यकारी दिनों की संख्या तो 7 से घटकर पाँच रह गय्र है लेकिन सप्ताह में घण्टों की संख्या 40 से बढ़कर 50, 60 तक हो गई है । यहाँ तक कि अब तो कुछ लोग सप्ताह में 90 घण्टे काम करने की बात करने लगे हैं अर्थात् प्रतिदिन 18 घण्टे काम।

यदि इतने समय कोय्र कर्मचारी अपने कार्यालय में अथवा कार्यस्थल पर कार्य करेगा तो उसे अन्य कार्यों के लिए समय कहाँ मिलेगा? 8 घण्टे सोना भी होता है, स्नान-ध्यान भी करना होता है, देवपूजन भी कुछ लोग करते हैं, किसी को भोजन बनाना भी होता है, खाने के बाद बर्तन साफ भी करने होते हैं। बाजार से सब्जी भी लानी होती है, फिर बच्चों के साथ भी तो कुछ समय व्यतीत करना होता है। पास पड़ोस के लोगों से भी बातचीत करनी होती है। फिर अन्य सामाजिक कार्यों के लिए भी समय कहाँ मिलेगा! ये पूंजीपति लोग मनुष्य को चींटी और गधे की तरह का जीव अथवा यन्त्रवत् रोबोट बना देना चाहते हैं। काम के भार के कारण बहुत से कर्मचारी धीरे-धीरे अवसादग्रस्त भी होते जा रहे हैं।

धर्मशास्त्रों में मनुष्यों को दिनमान का आधा भाग अर्थात् 6 घंटे का समय जीवकोपार्जन के लिए निर्देशित किया गया है। मेरे विचार से सप्ताह में एक दिन के अवकाश के साथ सामान्य कार्यों के लिए 6 घण्टे का ही काम होना चाहिए। कार्य की प्रकृति और परिस्थिति के अनुसार अधिकतम समय 8 घण्टे हो सकता है। एक दिन में अधिकतम 8 घण्टे और सप्ताह में अधिकतम 40 घण्टे का ही कार्य होना चाहिए। जहाँ पर रात-दिन कार्य होता है, वहाँ पर अन्य बेरोजगारों को भी रोजगार का अवसर दिया जा सकता है ।

-सरल

चुनाव के रंग-ढंग

वोटर सूची में नाम ही नहीं था

निकाय चुनाव की वोटर सूची में नाम न होने की शिकायतें बराबर मिल रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, भगत सिंह कोश्यारी से लेकर कई अधिकारियों, कर्मचारियों, आम जन का नाम न होने से वह वोट देने से वंचित रहे।

फर्जी मतदान को लेकर हंगामा

मतदान के दौरान फर्जी मतदान का आरोप लगाते हुए हंगामा भी मचा। रुद्रपुर के वार्ड 8 में भाजपा और निर्दलीय समर्थक आपस में भिड़ गये। वार्ड 25 में भाजपा और कांग्रेस समर्थक भिड़े। अल्मोड़ा के मल्लामहल रामशिला वार्ड में भाजपा कांग्रेस कार्यकर्ता आरोप लगाते भिड़ गये।

मारपीट का मुकदमा दर्ज हुआ

मतदाताओं को पैसे बांटने का आरोप लगाते हुए अल्मोड़ा में एक वीडियो जारी हुआ। इसके बाद वीडियो को फर्जी बताते हुए युवक ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष सहित तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया।

मतपेटियां देखकर भड़क गए

बाजपुर में सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट के वाहन में खाली मतपेटियां देखकर लोग भड़क गये। जबकि चुनाव संचालन में यह अतिरिक्त मतपेटियां रखनी होती हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

गौलापार में बनेगा एमआरएफ सेंटर

हल्द्वानी। नगर निगम क्षेत्र में कचरे का प्रबन्धन करने के लिये गौला रोखड़ पर मैटीरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआर एफ) सेन्टर बनाया जाएगा। नगर निगम क्षेत्र में प्रतिदिन करीब 200 मीट्रिक टन कूड़ा निकलता है, इसके प्रबन्धन के लिये मण्डी की जमीन पर यह सेन्टर बनना है।

बेतालघाट में ग्रामीणों का गुस्सा

नैनीताल। बेतालघाट के ग्राम पंचायत तिवारीगाँव के ग्रामीणों ने राजस्व विभाग के अधिकारियों पर उनकी जमीन को गलत तरीके से बाहरी बिल्डरों के नाम दाखिल खारिज करने का आरोप लगाते हुए गुस्सा दिखाया है। साथ ही इसकी शिकायत जिलाधिकारी से करते हुए कार्रवाई करने की मांग की है।

छात्र नेता की मौत की जाँच हो

बनबसा। ग्राम गुदमी के भैंसाझाला निवासी राजेन्द्र सिंह बिष्ट ने ग्रामीणों के साथ थाने पहुँचकर ज्ञापन सौंपते हुए अपने पुत्र व पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष हरीश सिंह बिष्ट की मौत की जाँच की मांग की। हरीश का शव 13 दिसम्बर को ग्राम चन्द फार्म के अन्तर्गत शारदा नहर के किनारे संदिग्ध हालत में मिला था। इसमें अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज हुई है।

गर्जिया मंदिर परिसर में पार्किंग व्यवस्था

रामनगर। प्रसिद्ध गर्जिया मन्दिर परिसर में अब पार्किंग व्यवस्था होने से श्रद्धालुओं के लिये सुविधा हो गई है। वर्षभर श्रद्धालु यहाँ आते हैं लेकिन वाहनों की पार्किंग सुविधा न होने से दिक्कत होने लगी थी। अब रामनगर वन प्रभाग की ओर से गर्जिया मन्दिर परिसर में ओपन इंटरप्रिटेशन सेन्टर खोला गया है। पार्किंग शुल्क वन कर्मियों की ओर से वसूला जाएगा।

बाहरी चालकों को नहीं देंगे खनन अनुमति

नैनीताल। बेतालघाट में बेतालेश्वर खनन वाहन समिति के अध्यक्ष अतुल भण्डारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया है कि समिति में रजिस्ट्रेशन वाले वाहन ही श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर से बेतालघाट के नीचे सेठी तक उपखनिज की निकासी कर सकेंगे। वाहरी चालकों को खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

खोदाई में मिली छह ओखली वाली शिला

गरुड़। तहसील क्षेत्र के ज्वाणस्टेट में सड़क खोदाई के दौरान छह ओखली वाली शिला मिली। इसकी सूचना फैलते ही क्षेत्रवासियों में कौतुहल है और लोग इसे देखने पहुँचे। कुछ ने तो पूजा-अर्चना भी की। इन दिनों में थापलीधार-ज्वाण स्टेट-कुलवान सड़क पर खोदाई का काम चल रहा है।

तेलंगाना में पंच केदार मंदिर निर्माण पर चारधाम महापंचायत का विरोध

देहरादून। तेलंगाना के दक्षिण में पंच केदारों के मन्दिर निर्माण का उत्तराखण्ड चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत ने विरोध करते हुए चेतावनी दी है कि यदि उत्तराखण्ड स्थित चार धामों के नाम का दुरुपयोग किया गया तो तीर्थ पुरोहित आन्दोलन के लिये बाध्य होंगे। महा पंचायत ने राज्य सरकार को इस मामले का संज्ञान लेते ही कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि तेलंगाना में दक्षिणेश्वर केदारनाथ मन्दिर ट्रस्ट की ओर से पंच केदार नाम से मन्दिर निर्माण करवाया जा रहा है। निमंत्रण पत्र में केदारनाथ मन्दिर की फोटो भी लगाई गई। महापंचायत सम्बन्धित लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करेगी। उत्तराखण्ड चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के अध्यक्ष सुरेश सेमवाल, महासचिव डॉ.बृजेश सती ने कहा कि चारों धाम के नाम के दुरुपयोग को लेकर पहले ही राज्य सरकार ने कैबिनेट से प्रस्ताव पारित किया है। बावजूद इस तरह का कहीं होता है तो महापंचायत सारी जानकारी जुटाकर कार्रवाई करेगी।

बदरी-केदार मंदिर समिति ने नोटस भेजा

देहरादून। तेलंगाना में पंच केदार मन्दिर और बदरीनाथ धाम मन्दिर निर्माण पर बदरी-केदार समिति ने संज्ञान लेते हुए श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मन्दिर ट्रस्ट और उत्तराखण्ड कल्याणकारी संस्था को नोटिस भेजकर 15 दिन में जवाब मांगा है।

वीकेटीसी ने बदरी-केदार के नाम और दोनों धामों के फोटो के प्रयोग करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। बदरी-केदार समिति के मुख्य कार्यकारी विजय प्रसाद थपलियाल की ओर से नोटिस जारी कर कहा गया है कि श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मन्दिर ट्रस्ट की ओर से तेलंगाना में पंच केदार मन्दिर का निर्माण किया जा रहा है। मन्दिर निर्माण के प्रचार-प्रसार में भी केदारनाथ धाम की फोटो लगाई गई है। इससे सनातन धर्मावलम्बियों की आस्था को ठेस पहुँची है। बदरी-केदार समिति की ओर से तेलंगाना में बदरीनाथ मन्दिर का निर्माण करने पर उत्तराखण्ड कल्याणकारी संस्था को भी नोटिस जारी किया है। कहा कि मन्दिर, गर्भगृह को पूरी तरह से बदरीनाथ धाम मन्दिर के प्रतिकृति के रूप की तैयारी की है, जो धार्मिक मान्यताओं व सनातन आस्थाओं के खिलाफ है।

ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्रों की जाँच

देहरादून। प्रदेश में अपात्र लोगों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यू एस) के प्रमाण पत्र जारी होने की सूचना पर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सभी जिलाधिकारियों को जाँच कर कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। मुख्य सचिव ने सभी प्रमुख सचिवों, मण्डल आयुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासन के संज्ञान में जय तथ्य लाया गया है कि कुछ मामलों में ऐसे व्यक्तियों को भी आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आय एवं सम्पत्ति प्रमाणपत्र जारी किए जा रहे हैं जो उस वर्ग या श्रेणी में पात्र नहीं हैं।

बताया कि शासन ने यह निर्णय लिया है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए प्रमाणपत्र जारी करने के लिये प्रस्तुत आदेदन पत्र एवं इसके लिए बने मानकों की अनिवार्य रूप से जाँच की जाए। निरीक्षण और जाँच तहसीलदार के नीचे के स्तर के अधिकारी से न कराई जाए। जाँच के बाद ही प्रमाणपत्र जारी किया जाए।

वनभूमि पर काबिजों की मांग राजस्व ग्राम

हल्द्वानी। गौलापार क्षेत्र के वनभूमि पर काबिजों ने राजस्व ग्राम की मांग की है। वन अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत वन भूमि पर कई वर्षों से बसे लोगों राजस्व ग्राम की मांग के लिये जनसभा का आयोजन भी किया गया जिसमें प्रतापपुर, मानपुर, हरिपुर ठठोला, त्रिलोक पुर दानी, जसपुर खोलिया, चोरगलिया, बागजाला, सुल्तानपुरी आदि क्षेत्रों की वन अधिकार समितियों के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जनसभा में वक्ताओं ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम के तहत देश के 1700 से अधिक गाँवों को राजस्व ग्राम घोषित कर लगभग दो करोड़ एकड़ भूमि पर मालिकाना अधिकार प्रदान किया जा चुका है लेकिन उत्तराखण्ड में जनप्रतिनिधियों और अधि काकरयों की उदासीनता के कारण अब तक मात्र 6 राजस्व ग्राम बनाए गए हैं, वह भी बिना किसी भूमि अधिकार के। एडवोकेट तरुण जोशी ने वन अधिकार अधिनियम के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

भारत-नेपाल विकास कार्यों की सहमति

धारचूला। भारत और नेपाल के दार्चुला जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक में आन्तरिक सुरक्षा सहित विकास कार्यों के दौरान दोनों देशों के बीच आपसी तालमेल से सूचनाओं का आदान-प्रदान करने पर विचार-विमर्श किया गया। लोनिवि के सभागार में जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी और नेपाल के दार्चुला के डीएम यज्ञराज जोशी की उपस्थिति में बैठक हुई। इसमें संयुक्त रूप से आन्तरिक सुरक्षा, अवैध तस्करी पर अंकुश लगाने, किसी भी तरह की आपदा के दौरान तत्काल सूचना देने, सीमा क्षेत्र में विकास कार्यों के दौरान दोनों देशों के बीच आपसी तालमेल के साथ ही सूचनाओं के आदान प्रदान पर चर्चा की गई। बैठक में दोनों देशों के जिलाधिकारियों ने एक-दूसरे को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

कपकोट-पिण्डारी ग्लेशियर सड़क सुधारीकरण का कार्य जारी

बागेश्वर। काफी समय से बदहाल हुई कपकोट-पिण्डारी ग्लेशियर सड़क का सुधारीकरण कार्य शुरू हो चुका है। पीएमजीएसवाई 15 करोड़ की लागत से इस 18 किमी लम्बी सड़क में सुधारी करण का कार्य किया जा रहा है। इस मार्ग पर वाहनों का लगातार दबाव रहता है। साथ ही प्रतिदिन क्षेत्र के दर्जनों ग्रामों के लोग तहसील और जिला मुख्यालय के लिये आवाजाही करते हैं लेकिन लम्बे समय से सड़क की हालत खराब थी। मानसून काल में तो सड़क और भी खराब हो गई। क्षेत्रवासियों द्वारा दूरस्थ इलाके की इस सड़क की सुधार की मांग की जा रही थी। अब सुधारीकरण में सड़क चौड़ीकरण, कॉजवे, कलमठ निर्माण सहित कार्य जारी है। इस साल में डामरीकरण तक पूरा कार्य की उम्मीद है

साहित्यकार जगूड़ी को कबीर सम्मान

देहरादून। हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध कवि लीलाधर जगूड़ी को मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग की ओर से कबीर सम्मान दिया गया है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2023 के लिए यह सम्मान जगूड़ी को भोपाल में आयोजित समारो हमें दिया गया।

नैनीताल में जिलोलॉजिकल सर्वे

नैनीताल। शहर के टाउन प्लानिंग के लिए योजनाबद्ध रूप से जियोलॉजिकल सर्वे और असुरक्षित स्थानों का चिह्नीकरण किए जाने के लिए यूएलएम एमसी की ओर से अध्ययन कार्य शुरू हो चुका है। इसके लिये यूएलएमएमसी और सीबीआरआई के मध्य अनुबन्ध किया गया है। इसमें शहर के एक हजार घरों का भूकम्प के दृष्टिकोण से अध्ययन किया जाना है। डीएम वन्दना सिंह ने उत्तराखण्ड भूस्खलन शमन प्रबन्धन कम्पनी के डायरेक्टर, अधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा की।

परिक्रमा

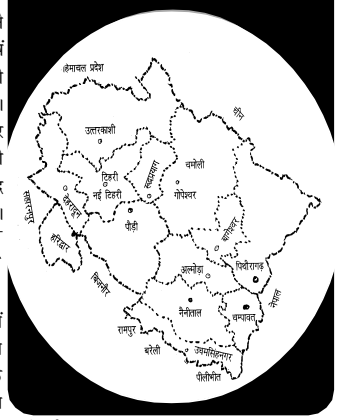

बर्खास्त हो सकते हैं 35 अध्यापक

रुद्रपुर। राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में हाल में नियुक्त किए गए 35 सहायक अध्यापक बर्खास्त हो सकते हैं। इन्हें शिक्षा विभाग ने अपना पक्ष रखने के लिये नोटिस दिया है। इन सभी ने यूपी से डीएलएड किया है और भर्ती के लिए उत्तराखण्ड का भी निवास प्रमाण पत्र बनवा लिया। बताया गया है कि कई ने इनमें से त्यागपत्र भी दे दिया है।

रानीखेत-रामनगर डेढ़ लेन बनेगी

अल्मोड़ा। रानीखेत-रामनगर राज्य मार्ग के डेढ़ लेन बनने की प्रक्रिया जारी हो चुकी है। सीएम की घोषणा में शामिल इस कार्य के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगने की प्रक्रिया चल रही है। राज्य मार्ग खैराना-रानीखेत-रामनगर में गनियाद्योली(रानीखेत) से मोहान तक का कुछ भग रानीखेत व कुछ सल्ट विधानसभा अन्तर्गत आता है। 70 किमी सड़क में सुधारीकरण होना है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

दिखाए गए सपने पूरा करो अब, दिग्गजों को संदेश है जनता का.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

पिथौरागढ़ में कांग्रेस बिखरी

जोशी को हराया जबकि कांग्रेस की गीता रावल तीसरे स्थान पर रहीं। यहाँ कांग्रेस ने पहले कवि और फिर अचानक रावल को टिकट देकर अपने आप से हार का रास्ता बना लिया था। कपकोट में भी इस प्रकार

कालाढूंगी में भाजपा का गढ़

की गलती हुई और विधायक सुरेश गढ़िया की दौड़ और भाजपा प्रत्याशी गीता ऐठाणी का लम्बा राजनीतिक अनुभव उन्हें सफल बनाने में मदद कर गया। नैनीताल क्षेत्र में कांग्रेस का दबदबा रहा, इसके पीछे कारण चाहे कुछ भी रहे हों लेकिन मतदाताओं ने अपनी सूझ दिखाई। नैनीताल नगर पालिका में कांग्रेस की सरस्वती खेतवाल, भीमताल में सीमा टम्टा, भवाली से पंकज आर्य अध्यक्ष पद के लिये विजयी रहीं। लालकुआ में भाजपा के बागी और निर्दलीय लड़ने वाले सुरेन्द्र लोटनी ने बाजी मारी। कालाढूंगी क्षेत्र भाजपा का गढ़ बना हुआ है। भाजपा की रेखा कत्यूरा ने कांग्रेस की भावना सती को को परास्त किया। रामनगर में लगातार चौथी बार मोहम्मद अकरम ने जीत कर रिकार्ड बना दिया है। भाजपा की पूरी ताकत भी उन्हें नहीं हिला सकी। उन्होंने भाजपा के मदन जोशी को पराजित किया। उधमसिंह नगर क्षेत्र में जबरर्दस्त टक्कर रही और खटीमा में भाजपा के रमेश जोशी रामू की जीत ने सीएम के दबदबे के साथ

चौहान चौधरी को झटका

अपनी ताकत का परिचय कराया है लेकिन जसपुर के गुलरभोज सीट पर निर्दलीय सतीश चुग की जीत विधायक अरविन्द पाण्डे को चौंकाने वाली है। पन्तनगर के नए निकाय नगला को विधायक राजेश शुक्ला

पीपलकोटी मुनिकीरेती निर्दलीय

और तिलकराज बेहड़ ने अपनी नाक का सवाल सवाल बना रखा है इसमें भाजपा के सचिन शुक्ला विजयी रहे। अल्मोड़ा नगर पालिका में भाजपा का दबदबा नई कहानी लिख चुका है यहाँ अजय वर्मा अध्यक्ष बने लेकिन द्वाराहाट से कांग्रेस की सरिता आर्य ने बाजी मारी। रानीखेत-चिलियानौला नगर पालिका में पूर्व सीएम हरीश रावत के भतीजे अरुण रावत के आगे भाजपा प्रत्याशी जमानत भी नहीं बचा पाए।

परिणामों की उलट-पुलट बहुत चौंकाने वाली है। नई टिहरी में निर्दलीय मोहन रावत सफल रहे। विकासनगर में भाजपा के विधायक मुन्ना सिंह चौहान को झटका लगा है क्योंकि यहाँ कांग्रेस के बॉबी नौटियाल सफल हो गये। इसी प्रकार रुद्रप्रयाग में निर्दलीय सन्तोष रावत और अगस्त्यमुनि में कांग्रेस के राजेन्द्र प्रसाद की जीत विधायक भरत चौधरी के लिये झटका ही है। मुनिकीनेती से निर्दलीय नीलम बिल्जवाण ने वन मंत्री सुबोध उनियाल और थराली में कांग्रेस की सुनीता रावत की जीत ने विधायक भोपाल

नैनीताल भीमताल कांग्रेस

राम टम्टा के लिये सवाल खड़े कर दिये हैं। गोपेश्वर में भाजपा प्रत्याशी संदीप रावत, बड़कोट में निर्दलीय विनोद डोभाल, उखीमठ में कांग्रेस की बागी कुब्जा धर्मवान, गुप्तकाशी में भाजपा की विश्वेश्वरी देवी, पीपलकोटी में निर्दलीय आरती नवानी, नन्दनगर में कांग्रेस की बीना देवी, नगर पंचायत स्वर्गाश्रम जौक (पौड़ी)में बिंदिया अग्रवाल, तपोवन टिहरी) नगर पंचायत में विनीता बिष्ट सफल रहे। दुगड्डा में निर्दलीय शान्ति बिष्ट, गैरसैंण में कांग्रेस के मोहन भण्डारी सफल रहे।

रामनगर में हाजी अकरम

पिथौरागढ़ नगर निगम मेयर पद के लिये कांटे की टक्कर में भाजपा की कल्पना देवलाल 17 वोट से बाजी मारने में सफल रहीं। यहाँ कांग्रेस बिखर चुकी है। विधायक मयूख महर पार्टी की अधिकृत प्रत्याशी अंजू लुण्ठी के साथ नहीं थे और बयानबाजियों में पार्टी की कलह शुरू से ही दिखाई दे रही थी।

चुनाव के इस सारे अभियान में छोटे-बड़े नेताओं का गुणा-भाग अभी लगता रहेगा क्योंकि सभी सीटों पर चौकन्ने मतदाताओं ने बाजी पलटी है। विकासनगर में कांग्रेस के धीरज नौटियाल, डोईवाला में भाजपा के नरेन्द्र नेगी, मसूरी में मीरा सकलानी सफल रहे। रुद्रप्रयाग में निर्दलीय

तराई में भाजपा आगे

सन्तोष्ज्ञ रावत, चिन्यालीसौड़ में मनोज कोहली, देव प्रयाग में ममता सफल रहे। तराई में भाजपा आगे रही है। सितारगंज में सुखादेव सिंह, गदरपुर में मनोज गुंबर, दिनेशपुर में मंजीत, सुल्तान

सुमित, सरिता नहीं चली

पुर में राजीव सैनी, लालपुर में बलविन्दर कौर अध्यक्ष चुने गये हैं।

माघ की खिचड़ी, ध्यैनी मिलन आयोजन में पुस्तकों का संकलन और अपनी धरोहर को संवारने का संकल्प

हल्द्वानी। माघ की खिचड़ी का आयोजन किस न किसी रूप में समाज में सर्वप्रचलित है परनतु जोहार की सांस्कृतिक विरासत के रूप में इसने खासा स्थान बनाया है। यह आयोजन केवल माघ मास में खिचड़ी परोसना नहीं बल्कि अपनों के मिलन का शुभ अवसर भी होता है। इस अवसर को और भी ज्यादा जागरूकता का आयोजन बनाना इसमें नई शुरुआत है।

इस बार हल्द्वानी में जंगपांगी बन्धुओं के ध्यैनी मिलन समारोह में जो बेहतरीन शुरुआत हुई है वह है पुस्कतों का संकलन करना। अपनी संस्कृति से जुड़ी तमाम पुस्तकों को सहेजने के लिये आयोजन स्थल पर स्टाल लगाया गया था और देखने, परखने, खरीदने का सुखद क्षण लोगों के पास था। अपनों को इस प्रकार के उपहार भी दिये जा सकते हैं। इसकी शुरुआत करने वाले निश्चित रूप से समाज में जन चेतना का बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। इसी प्रकार अपनी विलुप्त होती धरोहरों को संवारने का संकल्प इस अवसर पर लिया गया। सीमान्त क्षेत्र से लेकर अन्य स्थानों पर बुजुर्गों की थाती को संरक्षित करने की दिशा में उन पुराने चित्रों को प्रस्तुत किया जा रहा है जिन स्थानों से क्रान्ति थी, जिन स्थानों पर सभी लोग बैठकर चिन्तन-मनन करते थे, ग्राम संवारने के लिये बैठक करते थे। पुराने देवालय, मैदान, भवन भी इनमें शामिल हैं जिन्हें संवार कर अपनी धरोहरों को भावी पीढ़ी के लिये संरक्षित किया जा सकता है। इस प्रकार के प्रयास समाज में सभी के लिये प्रेरणादायक हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)